पद: वरिष्ठ प्रबन्धक - मेक इन इंडिया **पद कोड : MII-SM-01**

कुल पद : 1 (एक)

कार्य अवधि : मेक इन इंडिया के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग सुविधा प्रकोष्ठ कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा बाइरैक में की गई है। यह पद पूर्ण रूप से अस्थायी (अनुबंध के आधार पर) है और परियोजना की समाप्ति के साथ समाप्त हो जाएगा। परियोजना की वर्तमान अवधि मार्च 2026 तक है।

समेकित पारिश्रमिक : योग्यता और अनुभव के आधार पर प्रति माह 1,10,000/- रु. से 3,00,000/- रु. के मध्य बीच एकमुश्त राशि।

कार्य विवरण : बायोटेक क्षेत्र हेतु राष्ट्रीय मिशन कार्यक्रम - मेक इन इंडिया (MII) का नेतृत्व डीबीटी द्वारा किया जाता है जो कि वर्ष 2015 से बाइरैक संस्था द्वारा समर्थित है। PMU नीति वकालत, डेटा अनुसंधान और विश्लेषण, हितधारकों के परामर्श का कार्य करता है और रणनीतिक इनपुट प्रदान करता है। यह बायोफाउंड्री/बायोमैन्युफैक्चरिंग पहल का समर्थन करता है। इस PMU के तहत स्थापित बायोटेक क्षेत्र हेतु परियोजना विकास प्रकोष्ठ मुख्यतः निवेश मंजूरी प्रकोष्ठ देश की जैव अर्थव्यवस्था और बायोटेक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए इन्वेस्ट इंडिया और डीबीटी के साथ मिलकर काम करेगा। वरिष्ठ प्रबंधक MII PMU गतिविधियों के कार्यान्वयन का नेतृत्व करेंगे। चयनित अभ्यर्थी देश में जैव नवाचार और जैव विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और विभिन्न हितधारकों के साथ इंटरफेस पर काम करेंगे।

रिपोर्टिंग : चयनित अभ्यर्थी मिशन निदेशक – एमआईआई को रिपोर्ट करेंगे।

मुख्य उत्तरदायित्व :

- मेक इन इंडिया पीएमयू के लिए प्रबंधन सहायता प्रदान करना, गतिविधियों को क्रियान्वित करना।
- मेक इन इंडिया के लक्ष्यों की स्थिति को अद्यतन करने और उसकी रिपोर्टिंग के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ समन्वय करना, प्रबंधन और हितधारकों के परामर्श से कार्रवाई रिपोर्ट तैयार करना।
- जैव अर्थव्यवस्था रिपोर्ट, भारतीय और वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र की भूनिर्माण रिपोर्ट के मानचित्रण और रिलीज में समन्वय और सुविधा प्रदान करना।
- नीति निर्माण को प्रभावित करने के लिए अनुसंधान आधारित क्षेत्रीय इनपुट और सिफारिशें तैयार करना और प्रदान करना।
- क्षेत्रीय रणनीति बैठकों का समन्वय करना, अंतर विश्लेषण के लिए हितधारकों के साथ बातचीत करना, विज़न दस्तावेज़ तैयार करना आदि।
- स्टार्टअप इंडिया राष्ट्रीय मिशन के तहत एक सुदृढ़ जैव प्रौद्योगिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सहायता करने और बढ़ावा देने के लिए राज्यों के साथ जुड़कर काम करना।
- निवेश और जैव-विनिर्माण को बढ़ाने के लिए परियोजना विकास प्रकोष्ठ का समर्थन करना। इन्वेस्ट इंडिया के साथ मिलकर काम करते हुए इच्छुक कंपनियों के प्रश्नों का प्रबंधन करना।
- जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्ट-अप और एसएमई के लिए निवेश के अवसरों तक पहुंच को सुगम बनाना।
- जैव-विनिर्माण सहित नई पहलों/गतिविधियों में समर्थन।
- स्टार्ट-अप्स हेतु अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता, नियामक मार्गदर्शन और बाजार तक पहुंच प्राप्त करने के लिए वैश्विक संपर्क बनाना और उन्हें सुविधाजनक बनाना।
- आवश्यकतानुसार घरेलू हवाई यात्रा करना।

अनिवार्य योग्यता :

जैविक विज्ञान/संबद्ध क्षेत्र/सार्वजनिक नीति/नीति प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री

वांछनीय : अधिमानतः, औद्योगिक अनुप्रयोग के अनुवादात्मक अनुसंधान में पीएचडी।

अनुभव : न्यूनतम 6 वर्ष के उद्योग अनुभव के साथ 10 वर्ष का अनुभव। पीएचडी अवधि को कार्य अनुभव के अंतर्गत माना जाएगा।

उत्तम लिखित और मौखिक संचार कौशल।

वांछनीय अनुभव :

- उत्पादन/आर एंड डी/ केपीओ/ सीआरओ/ सीडीएमओ/स्टार्टअप/सार्वजनिक नीति प्रशासन/अन्य में कार्य करने के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र का अनुभव और समझ।
- विस्तृत रिपोर्ट, दस्तावेज़ीकरण, डेटा विश्लेषण और प्रस्तुतियाँ तैयार करने में विशेषज्ञता

अधिकतम आयु : रिक्ति की अंतिम तिथि को अधिकतम 40 वर्ष।